सत्यमेव जयते

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन

मार्च 2012 को समाप्त हुए वर्ष के लिए

संघ सरकार

राजस्व विभाग - प्रत्यक्ष कर

2013 की संख्या 15

विषय सूची

विषय	पृष्ठ
प्राक्कथन	**i**
क. मुख्य बातें	**iii-v**
अध्याय I: प्रत्यक्ष कर प्रशासन	**1-20**
• संघ सरकार के संसाधन	1
• प्रत्यक्ष करों का स्वरूप	1-2
• प्रत्यक्ष करों की वृद्धि - प्रवृत्तियां एवं रचना	2-6
• प्रत्यक्ष कर की बजटिंग	7-8
• प्रतिदायों पर ब्याज का गलत लेखांकन	8
• कर व्यय	9-10
• कर आधार का विस्तार और सुदृढ़ीकरण	11-13
• कर ऋण - असंग्रहित मांग	13-14
• संवीक्षा निर्धारणों का निपटान	15
• विवादित मांग	16-17
• आयकर विभाग की आईटी पहल	18
• आन्तरिक लेखापरीक्षा की प्रभावकारिता	18-20
अध्याय II : लेखापरीक्षा अधिदेश, उत्पाद और प्रभाव	**21-27**
• प्राप्तियों की लेखापरीक्षा हेतु सीएजी के प्राधिकार	21
• वैधानिक प्रभाव	23
• लेखापरीक्षा के कहने पर वसूली	23
• त्रुटियों की घटना	23-24
• लेखापरीक्षा पर प्रतिक्रिया	24-25
• लेखापरीक्षा आपत्तियों का लंबन	26
• कालबाधित उपचारात्मक कार्रवाई	26-27
• अभिलेखों को उपलब्ध न कराना	27
अध्याय III: निगम कर से संबंधित निर्धारणों का विश्लेषण	**29-43**
• निर्धारणों की गुणवत्ता	30-35
• कर रियायतों/छूटों/कटौतियों का प्रशासन	35-39
• चूकों के कारण निर्धारण से बचने वाली आय	40-42
• कर/ब्याज का अधिप्रभार	43

अध्याय IV: आयकर और धनकर से संबंधित निर्धारणों का विश्लेषण	**45-53**
• निर्धारणों की गुणवत्ता	45-47
• कर रियायतों/छूटों/कटौतियों का प्रशासन	48-49
• चूकों के कारण निर्धारण से बचने वाली आय	50-51
• कर/ब्याज का अधिप्रभार	52
• धनकर का उद्ग्रहण न करना/कम उद्ग्रहण	53
परिशिष्ट	**55-104**